संवाद लेखन

दो या दो से अधिक लोगों के मध्य बातचीत संवाद कहलाता है। जब इस बातचीत को लिखित रूप दे दिया जाता है, उसे संवाद लेखन कहते हैं। नाटक, फिल्मों आदि को संवाद शैली में लिखा जाता है।

संवाद लेखन करते समय ध्यान देने योग्य बातें :-

1. संवाद सरल और स्वाभाविक होने चाहिए।
2. संवाद स्पष्ट एवं रोचक होने चाहिए।
3. संवाद संक्षिप्त होने चाहिए।
4. संवादों में भाव के अनुसार आरोह-अवरोह होना चाहिए।
5. संवाद में, जिस काल में प्रश्न पूछा जाता है, उसी काल में उत्तर दिया जाता है।
6. संवाद लेखन प्रश्नोत्तर शैली में लिखे जाते हैं।

VASUNDHARAHINDI.COM

(I)

बेटी को विद्यालय में प्रवेश दिलाने के मुद्दे पर पति पत्नी के बीच में लगभग 50 शब्दों का संवाद लिखें।

पत्नी : सुनो! सुरभि को किस स्कूल में दाखिला दिलवाना है, कुछ सोचा?

पति : शहर में तो दो-तीन ही स्कूल सबसे अच्छे हैं। उन्हीं में से किसी एक के बारे में सोच सकते हैं।

पत्नी : मेरा मन तो है सुरभि को या तो सोफिया में प्रवेश दिलाऊँ या फिर आर्मी स्कूल में।

पति : हाँ! ये दोनों स्कूल ही अच्छे हैं। सोफिया हमारे घर के पास है और आर्मी स्कूल थोड़ी दूर है।

पत्नी : हाँ, आर्मी स्कूल है तो अच्छा, पर दूर है। सुरभि अभी बहुत छोटी है।

पति : तो फिर निश्चित रहा। सुरभि को प्रवेश सोफिया में ही दिलाएँगे।

पत्नी : हमारी गली के बहुत से बच्चे सोफिया स्कूल में ही पढ़ते हैं।

पति : ठीक है। मैं कल ही प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करता हूँ।

VASUNDHARAHINDI.COM

(II)

दो लड़कों की कैरियर संबंधी बातचीत पर लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखें।

सुधीर - कहो भाई अमित! क्या हाल है?

अमित - हाल तो ठीक है सुधीर। दुविधा है तो आगे के कैरियर की।

सुधीर – हाँ! है तो यह चिंता का विषय। फिर तूने सोचा क्या है?

अमित – मैं तो डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहता हूँ।

सुधीर - पर मुझे लगता है आजकल कॉमर्स में भी अच्छा कैरियर है।

अमित – तुम कह तो ठीक रहे हो। पर मेरे घरवाले तो मुझे डॉक्टर या इंजीनियर ही बनाना चाहते हैं।

सुधीर - मेरे घर वाले ऐसे नहीं हैं। वो तो कहते हैं मेरी जिसमें रूचि हो मैं वही विषय लूँ।

अमित - वास्तव में यही ठीक है। बच्चों को अपना कैरियर अपनी रूचि के अनुसार ही चुनना चाहिए।

VASUNDHARAHINDI.COM

(III)

बस से उतरते समय आप अपने सहयात्री को धक्का दे देते हैं और उसका सामान गिर जाता है। उस से माफी माँगते हुए लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखें।

सहयात्री - अरे भाई! थोड़ा ध्यान से धीरे-धीरे उतरो।

आप - भाई! मुझे थोड़ी जल्दी है। तीन-चार मिनट बाद ही मेरी गाड़ी है।

सहयात्री - वो तो ठीक है, पर आप के कारण मेरा सामान गिर गया।

आप - माफ करना भाई। जल्दी-जल्दी में गलती हो गई।

सहयात्री - जल्दी तो सबको ही होती है, पर दूसरे यात्रियों का भी ध्यान रखना चाहिए।

आप - (मैं एक बार फिर माफी माँगता हूँ और सामान उठाकर सहयात्री को दे देता हूँ।)

सहयात्री - धन्यवाद।

आप - (मैं जल्दी-जल्दी अपनी गाड़ी की ओर चल देता हूँ।)

VASUNDHARAHINDI.COM

(IV)

दो कार चालकों की बहस के संवाद लिखिए।

पहला चालक बार-बार अपनी गाड़ी का हार्न बजा रहा है।

दूसरा चालक अपनी गति से अपनी कार चला रहा है।

पहला चालक दूसरे चालक को हाथ देकर रोकता है।

दूसरा चालक - क्या हुआ भाई साहब।

पहला चालक - मैं बार-बार हार्न बजा रहा हूँ। आप हैं कि कार को साइड ही नहीं देते।

दूसरा चालक - कार साइड में तो तब लें न, जब रास्ता खाली हो। आपके हॉर्न बजाने का यह मतलब नहीं कि आपको रास्ता मिलेगा ही।

पहला चालक - आप इतने धीरे चला रहे हैं, बस पूछो ही नहीं।

दूसरा चालक - सामने देखो, आगे बैलगाड़ी है। अरे भाई! तीन लेन हैं इसी लेन में चलना क्या जरूरी है? आप जिस लेन में चल रहे हैं, उसी में आगे बढ़ो न।

पहला चालक – सॉरी! मैं आगे से ध्यान रखूँगा।

दूसरा चालक - भाई साहब! बिना हार्न बजाए भी गाड़ी चलाई जा सकती है।

VASUNDHARAHINDI.COM

(V)

हमारे देश में आए दिन लोग यातायात के नियम तोड़ते हैं। इस विषय पर दो मित्रों की बातचीत लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

प्रेम – रमन! देश की कुछ बातों से मेरा मन बहुत दुखी होता है।

रमन – प्रेम! मेरा मन विशेष रूप से ट्रैफिक के नियम तोड़ने पर दुखता है।

प्रेम – यार! सच में ट्रैफिक के नियम तोड़ने वालों के लिए मन में क्रोध आता है।

रमन – क्यों?

प्रेम - रमन! ये लोग ट्रैफिक के नियम तोड़कर अपनी और निर्दोष लोगों की जान खतरे में डालते हैं।

रमन - तुम सच कहते हो। लोग ट्रैफिक नियम मानें, इसके लिए सरकार को कड़े नियम बनाने चाहिए और बड़े जुर्माने लगाने चाहिए।

VASUNDHARAHINDI.COM

(VI)

दो मित्र परीक्षा भवन से बाहर आते हुए बात कर रहे हैं। उन में होने वाली बातचीत लगभग 50 शब्दों में लिखो।

सुनील - राजन! तुम्हारा पेपर कैसा हुआ है?

राजन - मेरा पेपर अच्छा हुआ है। 80% तो नंबर आ ही जाएँगे।

सुनील - गणित का पेपर था। मेरा तो ठीक-ठाक हुआ है।

राजन - पर पेपर तो आसान था।

सुनील - तुम्हारे लिए होगा। मेरे लिए तो गणित विषय हमेशा ही कठिन रहा है।

राजन - विषय कोई कठिन नहीं होता, मित्र। होती है केवल अभ्यास की कमी।

सुनील - कह तो तुम ठीक रहे हो। मुझे गणित से डर लगता है। इसलिए मैं अभ्यास भी कम करता हूँ। आगे से मैं भी अच्छा अभ्यास करूँगा।

राजन - तो तुम्हारे भी अच्छे नंबर आएँगे।

*****

VASUNDHARAHINDI.COM